



सोया कृषकों के लिए सलाह Advisory for Soybean Farmers



फोन : 0731-2476188, Fax: 2470520
वेब साईट : <https://iisrindore.icar.gov.in>
ई मेल : director.soybean@icar.gov.in / dsrdirector@gmail.com

YouTube लिंक: YouTube channel: <https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8lxkAuSyQ>
Facebook Page: <https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553>
फेसबुक: <https://www.facebook.com/icar.nsr/>
X: @ICARNSRI Whatsapp & Telegram: NSRI Soy Farmers

© ICAR-NSRI

यह विस्तार बुलेटिन सोया कृषकों के सार्वजनिक हित में और विशुद्ध रूप से भारत भर के सोयाबीन उत्पादकों के लाभ के लिए जारी की गई है। यह आईसीएआर-राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान और सोयाबीन पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के वैज्ञानिकों की बौद्धिक सम्पदा है। सोया कृषकों के अतिरिक्त किसी व्यक्ति या संगठन द्वारा किसी प्रकार का व्यावसायिक/लाभ कमाने के लिए इसका आंशिक/संपूर्ण उपयोग ICAR-NSRI को बिना उचित श्रेय दिए सख्त वर्जित है।

Disclaimer: This document/Advisory is issued in the public interest and purely for the benefit of the soybean growers across India. This is the sole intellectual output of scientists of ICAR-National Soybean Research Institute, and All India Coordinated Research Project on Soybean. Its use by any organization (other than farmers) for any commercial/profit making as part/whole/copying without giving due credit is strictly prohibited.



फ़ाइल क्रमांक: टेक 10-6/2025



दिनांक: 30.06.2025




सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers (30 जून – 6 जुलाई 2025 / 30th June- 6th July)

सोयाबीन की खेती किये जाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर सोयाबीन की बोवनी किये जाने के समाचार हैं एवं शेष क्षेत्रों में यह प्रक्रिया चल रही है। अनुसन्धान निष्कर्षों के आधार पर सोयाबीन की बोवनी के लिए 20 जून से लेकर जुलाई माह के प्रथम सप्ताह तक का समय उपयुक्त पाया गया है। इस स्थिति में सोया कृषकों को निम्न सस्य क्रियाओं का अनुपालन किये जाने की सलाह दी जाती है।



As per the reports, the sowing has already been completed in certain areas and is still continuing. As per the research results, the optimum time for sowing of soybean crop is from 20th June to the first week of July. Under this situation, farmers are suggested to follow following measures.


अ. ऐसे क्षेत्र जहा सोयाबीन की बोवनी हुयी है (Areas where sowing is completed)

1.	जिन्होंने बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशक का उपयोग नहीं किया है, कृषकों को सलाह है कि तालिका-1 में दी गयी सूची में से कोई एक खरपतवार नाशक का छिड़काव करें। छिड़काव करते हुए पर्याप्त पानी की मात्रा का प्रयोग करें। खड़ी फसल में उपयोगी खरपतवारनाशकों के प्रयोग हेतु फ्लड जेट या फ्लैट फेन नोजल उपयोग करें।	
	Those farmers who have not used any of the Pre-emergence herbicides so far are advised to apply the spray of any one post emergence herbicide as given in Table-2. Use adequate quantity of water for spraying the herbicide. Use of Flood jet/Flat fan nozzle is recommended for spray of POE herbicides.	


2.	जिन कृषकों ने बी.बी.एफ./रिज फरो के स्थान पर केवल परंपरागत सीड ड्रिल की सहायता से सोयाबीन की बोवनी की है, सलाह है कि सुविधानुसार 6 या 9 कतारों के अंतराल पर नालियां निकाले. इससे अतिरिक्त वर्षा का जल निकास तथा जल संचयन द्वारा सूखे के दौरान लाभ मिलेगा.	 <p>जौसम में बदलाव: सूखा...अतिवर्षा</p>
Those farmers who did not use BBF/Ridge Furrow methods of planting are suggested to open irrigation furrows at suitable interval of 6/9 rows which will facilitate draining of excess rainfall as well as moisture conservation useful during long dry spell		
3.	संभव होने पर बी.बी.एफ./रिज फरो पद्धति से बनी हुयी नालियों में कीट आकर्षक फसल (सुवा/मेरीगोल्ड) की बोवनी करें. Farmers are advised to sow the seeds of Dill (Suva)/Marigold in the irrigation furrows made through BBF/Ridge Furrow planting methods. This will attract the defoliators facilitating insect control.	 <p>जौसम में बदलाव: सूखा...अतिवर्षा</p>
4.	महाराष्ट्र के साथ साथ मध्य प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में बोवनी के बाद सोयाबीन का अंकुरण कमजोर होने के समाचार प्राप्त हुए हैं. ऐसे किसानों को सलाह है कि सुविधानुसार फिर से बोवनी करें या पौधों में अधिक अंतराल वाली कतारों में बीज डालकर गैप फिलिंग करें. Problems in the field emergence of soybean has been reported in certain areas of Maharashtra as well as Madhya Pradesh. The affected farmers of such areas are advised to go for re-sowing or gap filling wherever necessary as per their convenience.	

ब. ऐसे क्षेत्र जहा सोयाबीन की बोवनी की जा रही है/होनी है (where soybean sowing is to be done)

1.	आपके क्षेत्र में मानसून के आगमन तथा न्यूनतम 100 मिमी. वर्षा होने के पश्चात ही सोयाबीन की बोवनी करें. Sowing may be done after the onset of monsoon and receipt of 100 mm rainfall in your area.	
2.	एक ही सोया किस्म के स्थान पर भिन्न-भिन्न समयावधि में पकनेवाली अपने क्षेत्र के लिए अनुशंसित 2-3 किस्मों की खेती करें. जो किसान वर्षभर में 3 फसले लेते हैं, सोयाबीन की शीघ्र समयावधि वाली किस्म को लगाये. जबकि केवल एक फसल लेने वाले कृषक मध्यम/अधिक समय परिपक्वता अवधि वाली किस्मों का चयन करें. Grow more than 2-3 soybean varieties (having varied maturity duration) instead of one popular soybean variety. Farmers who grow three crops in succession may select short duration soybean varieties whereas those who prefer to grow only two crops are advised to select medium/long duration soybean varieties.	
3.	अच्छी गुणवत्ता (न्यूनतम 70% अंकुरण क्षमता) वाला बीज ही बोवनी के लिए उपयोग करें. Use of quality seed (with 70% germination) is advised for sowing.	
4.	विभिन्न रोगों/तना मक्खी/सफ़ेद मक्खी जैसे विषाणु वाहक कीटों से फसल की सुरक्षा हेतु FIR पद्धति से बीजोपचार हेतु अनुशंसित रसायनों के विभिन्न विकल्प तालिका 1 में दिए गए हैं. In order to protect the crop from fungal diseases as well as insects like stem fly/white fly, seed treatment using FIR formula is recommended. The list of recommended chemicals for the same is given in Table 1.	
5.	असिंचित क्षेत्रों में 30 से.मी. कतारों की दुरी पर सोयाबीन के साथ अरहर जबकि सिंचित क्षेत्रों में सोयाबीन के साथ मक्का, ज्वार, कपास, बाजरा, जैसी अंतर्वर्तीय फसलों की काश्त लाभकारी होती है। Intercropping of Soybean+Pigeonpea in 4:2 at 30 cm spacing in rainfed farming systems, and with maize, sorghum, cotton, pearl millet is found remunerative and therefore advised.	

6.	विपरीत मौसम (सुखा/अतिवृष्टि) में फसल को बचाने हेतु सलाह है कि सोयाबीन की बोवनी बी.बी.एफ (चौड़ी क्यारी प्रणाली) या (रिज-फरो पद्धति) या रेज बेड पद्धति से करें. In order to protect the crop from climatic adversities like drought/waterlogging, sowing on BBF/Ridge-Furrow/Raised Bed is advised.					
7.	देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए सोयाबीन की बोवनी हेतु उपयुक्त समय, बीज दर, कतारों की दूरी तथा पोषक तत्वों की मात्रा एवं उनके स्रोत बाबत जानकारी निम्नानुसार दी जा रही है. The zone-wise information on optimum time of sowing, spacing, seed rate and nutritional dose and their sources is given below.					
क्षेत्र	Zone	उचित बुआई का समय* Optimum Time of Sowing	बीज दर Seed Rate (kg/ha) (कि.ग्रा./हे)	कतारों की दूरी (सेमी.) Row Spacing cm	एन:पी:के:एस (कि.ग्रा./हे.) NPKS (kg/ha)	उर्वरकों के स्रोत एवं मात्रा Fertilizer Sources and Quantity
मध्य (Central)		जून June 20- 5 जुलाई/July	65-80	30-45	25:60:40:20	56 कि .ग्रा यूरिया, 375कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 67कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
उत्तर पूर्वी पहाड़ी (North-East Hill) पूर्वी (Eastern)		15- 30 जून/June	55	45	25:100:50:50	56 कि .ग्रा यूरिया, 625कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 84कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
उत्तर मैदानी (Northern Plain)		जून June 20- 5 जुलाई/July	65	45	25:75:25:37.5	56 कि .ग्रा यूरिया, 470कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 42कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
दक्षिण (Southern)		15- 30जून/June	65	30	25:80:20:30	56 कि .ग्रा यूरिया, 500कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 34कि.ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश

8.	कार्बनिक खाद की मात्रा के अतिरिक्त सोयाबीन फसल के लिए अनुशंसित पोषक तत्वों (नाइट्रोजन ,फॉस्फोरस , पोटाश व सल्फर) की पूर्ति केवल बोवनी के समय करें. In addition, organic manure, farmers are advised to apply the recommended quantity of all the nutrients as basal dose only.														
9.	<p>मध्य क्षेत्र के लिए अनुशंसित उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा 25:60:40:20 kg/NPKS/ha की पूर्ति हेतु विभिन्न विकल्प निम्नानुसार हैं,</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. यूरिया 56 कि.ग्रा. + 375-400 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फॉस्फेट व 67 किग्रा म्युरेट ऑफ पोटाश अथवा 2. डी.ए.पी 140 किग्रा .+ 67 किग्रा म्युरेट ऑफ पोटाश +25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर अथवा 3. मिश्रित उर्वरक 12:32:16 @ 200 किग्रा + 25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर 4. आवश्यकतानुसार 25 kg जिंक सल्फेट (Zinc Sulphate) +50 kg आयरन सल्फेट (Iron Sulphate) <p>The nutritional dose for the central zone can be supplied through any one of the fertilizers combinations: (1) 56 kg Urea+375-400 kg SSP+ 67 kg MoP OR (2) DAP @140 kg + 67 Kg MOP+ 25 kg Bentonate Sulphur OR (3) complex fertilizers like 12:32:16 (200 kg/ha) + 25 kg Bentonate Sulphur along with need based application of Zinc Sulphate (@25 kg/ha) and Iron Sulphate (@50 kg/ha). Farmers may broadcast the fertilizers sources just before sowing or through use of seed-cum-fertilizer seed drill during sowing.</p>														
10.	<p>मध्य क्षेत्र विशेषकर मध्य प्रदेश के सोया कृषकों को सलाह है कि वे कृपया बोवनी के समय निम्न सस्य क्रियाओं का अनुपालन करे. Farmers of Central Zone especially Madhya Pradesh are suggested to adopt following agronomic practices.</p> <table border="1" data-bbox="240 1732 1507 1921"> <thead> <tr> <th>सोया किस्म का प्रकार/सस्य क्रिया Growth Habit of variety/ Agronomic Practice</th> <th>शीघ्र पकनेवाली/सीधी बढवार वाली सोया किस्में Erect Type/ Early variety</th> <th>मध्यम समयावधी/फैलने वाली किस्में Spreading/Medium duration</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>कतारों की दूरी row spacing</td> <td>30 सेमी/cm</td> <td>45 सेमी/cm</td> </tr> <tr> <td>पौधों की दूरी plant spacing</td> <td>5-7 सेमी.cm</td> <td>5-10 सेमी/cm.</td> </tr> </tbody> </table>						सोया किस्म का प्रकार/सस्य क्रिया Growth Habit of variety/ Agronomic Practice	शीघ्र पकनेवाली/सीधी बढवार वाली सोया किस्में Erect Type/ Early variety	मध्यम समयावधी/फैलने वाली किस्में Spreading/Medium duration	कतारों की दूरी row spacing	30 सेमी/cm	45 सेमी/cm	पौधों की दूरी plant spacing	5-7 सेमी.cm	5-10 सेमी/cm.
सोया किस्म का प्रकार/सस्य क्रिया Growth Habit of variety/ Agronomic Practice	शीघ्र पकनेवाली/सीधी बढवार वाली सोया किस्में Erect Type/ Early variety	मध्यम समयावधी/फैलने वाली किस्में Spreading/Medium duration													
कतारों की दूरी row spacing	30 सेमी/cm	45 सेमी/cm													
पौधों की दूरी plant spacing	5-7 सेमी.cm	5-10 सेमी/cm.													

	बीज दर seed rate*	80-90 किग्रा/हे (kg/ha)	65-70 किग्रा/हे kg/ha.
	बीज की गहराई sowing depth	2-3 सेमी cm.	2-3 सेमी cm.
	बोवनी की पद्धति Sowing method	बी.बी.एफ./रिज-फरो/रिज बेड/परंपरागत सीड ड्रिल द्वारा Using BBF/FIRB/Raised Bed method	
11.	उचित खरपतवार नियंत्रण हेतु कृषकगण अपनी सुविधा के अनुसार बोवनी पूर्व उपयोगी/ बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी अनुशंसित खरपतवारनाशक का छिड़काव करें (तालिका 2). कृषकों को सलाह है कि खरपतवारनाशकों के उपयोग हेतु पर्याप्त पानी (नेपसेक स्प्रेयर से प्रति हेक्टर 450-500 लीटर जबकि पावर स्प्रेयर से 120 लीटर/हे.) का उपयोग करें.		
	Use of herbicides for weed control: Farmers have a choice of selecting any one among various recommended Pre-emergence herbicides/POE/Premixed herbicides (Table-2) as per his convenience. It is suggested to use sufficient water (450-500 liter using knapsack sprayer or 120 liter in case of power sprayer). For spray of POE herbicides, flood jet/flat fan nozzle is recommended.		

तालिका 1: सोयाबीन में बीजोपचार के विकल्प तथा केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा जारी सूची (31 मार्च 2025) में शामिल रसायन

विकल्प 1	एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 2.5%+ थायोफिनेट मिथाईल 11.25%+ थायामेथोक्साम 25% एफ.एस . (10 मिली/किग्रा बीज)	+	रायजोबियम जापोनिकम/पी.बी.एस. कल्चर 5)ग्रा. किग्रा/बीज/(ट्रायकोडर्मा विरिडे 10)ग्रा किग्रा/बीज(-
विकल्प 2	पेनफ्लूफेन+ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन FS (0.8-1.0 मिली/किग्रा.बीज) या कार्बोक्सिन 37.5% +थायरम 37.5% (3 ग्रा/किग्रा.बीज) या कार्बेन्डाजिम 25%+ मेन्कोजेब 50% डब्ल्यू.एस. (3 ग्रा/किग्रा.बीज) या फ्लुक्सापग्रोक्साड 333 g/l SC (1 मिली/किग्रा.बीज)	+	अनुशंसित कीटनाशक थायामिथोक्साम 30 FS)10 मिली (किग्रा बीज/या इमिडाक्लोप्रिड 48 FS)1.25 मिली(किग्रा/	रायजोबियम जापोनिकम/पी.बी.एस. कल्चर 5)ग्रा. किग्रा/ बीज/(ट्रायकोडर्मा विरिडे 10)ग्रा किग्रा/बीज(
विकल्प 3	जैविक सोयाबीन उत्पादन में बीजोपचार रायजोबियम जापोनिकम/पी.बी.एस. कल्चर 5)ग्रा. किग्रा/बीज/(ट्रायकोडर्मा विरिडे 10ग्रा किग्रा/बीज)			

Table 1: List of chemicals recommended for seed dressing (as per CIB list as on 31st March 2025)

Option 1	Azoxystrobin 2.5% + Thiophanate Methyl 11.25% + Thiamethoxam 25% FS (10 मिली/किग्रा बीज)	+	Bradyrhizobium japonicum/PSB culture @ 5g/kg seed OR Trichoderma viride @ 8-10 g/kg seed	-
Option 2	Penflufen 13.28% w/w + Trifloxystrobin 13.28% w/w FS @ 0.8-1.0 ml/kg seed OR Carboxin 37.5%+ Thiram37.5% WS @ 3g/kg seed OR Carbendazim + Mancozeb WP @ 3g/kg seed OR 333 g/l SC @ 1 ml/kg seed	+	Thiamethoxam 30 FS @ 10 ml/kg seed or Imidacloprid 48 FS @ 1.25 ml/kg seed)	seed inoculation with Bradyrhizobium japonicum/PSB culture @ 5g/kg seed OR Trichoderma viride @ 8-10 g/kg seed.
Option 3	For Organic Soybean Production seed inoculation with Bradyrhizobium japonicum/PSB culture @ 5g/kg seed OR Trichoderma viride @ 8-10 g/kg seed is advised.			

Table 2: List of recommended Herbicides in Soybean (as per the list of CIB released on 31.03.2025)

No.	Type of Herbicide	Technical ingredient	Dose/ha
1	PPI	Diclosulam 0.9% + Pendimethalin 35% SE	2.5 l.
		Pendimethalin 30%+ Imazethapyr 2% EC	2.5-3.0 l.
		Fluchloralin 45% EC	2.22-3.33 l.
2	PE	Diclosulam 0.9% + Pendimethalin 35% SE	2.5 l.
		Diclosulam 84% WDG	26 g.
		Sulfentrazone 39.6% w/w SC	0.75 l.
		Clomazone 50% EC	1.50 - 2.00 l.
		Pendimethalin 30% EC	2.50-3.30 l.
		Pendimethalin 38.7% CS	1.50-1.75 kg.
		Flumioxazin 50% SC	0.25 l.
		Metribuzin 70% WP	0.75-1.00 kg.
		Sulfentrazone 28% + Clomazone 30% WP	1.25 l.
		Pyroxasulfone 85% w/w WG	150 g.
		Metalochlor 50 EC	2.00 l.
3	POE (10-12 DAS)	Chlorimuron Ethyl 25% WP + Surfactant	36 g.
		Bentazone 480 g/l SL	2.00 l.
	POE (15--20 DAS)	Imazethapyr 10% SL	1.00 l.
		Imazethapyr 70% WG + Surfactant	100 g.
		Quizalofop-ethyl 5% EC	0.75-1.00 g.
		Quizalofop-ethyl 10% EC	375 -450 ml.
		Fenoxaprop-p-ethyl 9.3% w/w EC (9% w/v)	1.11 l.
		Quizalofop –p-tefuryl 4.41% EC	0.75- 1.00 l.
		Fluazifop-p-butyl 13.4% EC	1.00-2.00 l.
		Haloxyfop R Methyl 10.5% w/w EC	1.0-1.25 l.
		Propaquizafop 10% EC	0.50-0.75 l.
		Clethodim 25% w/w (240 g/L) EC	0.50 -0.75 l.
	Fluthiacet Methyl 10.3% EC	125 ml.	
	B. (Pre-mixed POE)	Fluazifop-p-butyl 11.1% w/w + Fomesafen 11.1% w/w SL	1.00 l.
		Imazethapyr 35% + Imazamox 35% WG	100 g.
		Propaquizafop 2.5% + Imazethapyr 3.75% w/w ME	2.00 l.
		Sodium Acifluorfen 16.5% + Clodinafop Propargyl 8% EC	1.00 l.
		Fomesafen 12 % + Quizalofop ethyl 3% w/w SC	1.50 l.
		Fomesafen 12.5% +Quizalofop ethyl 4.68% EC	1.00 l.
		Fomesafen 17.5% + Clodinafop-propargyl 12.5% w/w ME	1.00 l.
		Quizalofop Ethyl 10% EC + Chlorimuron Ethyl 25% WP + Surfactant (0.2) (Herbicide) (Twin pack)	375 ml+36 g.+0.2%
Haloxyfop-R Methyl 12.8 % + Imazethapyr 10 % (w/w) ME		0.825 l.	
Fomesafen 12.5% + Fenoxaprop-p-Ethyl 10% + Chlorimuron Ethyl 0.9% ME (125 + 100 + 9 a.i./ha)		1.00 l.	
Fluthiacet-methyl 2.5% + Quizalofop-ethyl 10% EC	0.50 l.		

	Quizalofop ethyl 7.5% + Imazethapyr 15% w/w EC	0.50 l.
	Fenoxaprop-p-ethyl 6%+Chlorimuron ethyl 0.9% + Imazethapyr 10% SC	1.00 l.

तालिका 2: केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा 31 मार्च 2025 को जारी सोयाबीन में अनुशंसित खरपतवारनाशकों

क्रं.	खरपतवारनाशक का प्रकार	रासायनिक नाम	मात्रा/हेक्टे.
1	बौवनी पूर्व उपयोगी (PPI)	डायक्लोसुलम 0.9%+ पेण्डीमिथालीन 35%SE (22.5 + 875 सक्रीय तत्व/ha)	2.5 ली.
		पेण्डीमिथालीन 30%+इमेझेथापायर 2% EC	2.5-3.0 ली.
		फ्लूक्लोरलिन 45% EC	2.22-3.33 ली.
2	बौवनी के तुरन्त बाद (PE)	डायक्लोसुलम 0.9%+ पेण्डीमिथालीन 35%SE (22.5 + 875 ai/ha)	2.5 ली.
		डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू.डी.जी.	26 ग्राम
		सल्फेन्ट्राइडोन 39.6 एस.सी.	0.75 ली.
		क्लोमोडोन 50 ई.सी.	1.50 - 2.00 ली.
		पेण्डीमिथालीन 30 ई.सी.	2.50-3.30 ली.
		पेण्डीमिथालीन 38.7 सी.एस.	1.50-1.75 कि.ग्रा.
		फ्लूमिआक्साज़िन 50 एस.सी.	0.25 ली.
		मेट्रीब्युज़िन 70 डब्ल्यू.पी.	0.75-1.00 कि.ग्रा.
		सल्फेन्ट्राइडोन+क्लोमोडोन	1.25 ली.
		पायरोक्सासल्फोन 85 डब्ल्यू.जी.	150 ग्रा.
3.	अ .बौवनी के 10 - 12 दिन बाद उपयोगी (POE)	क्लोरीम्यूरान इथाईल 25 डब्ल्यू.पी. +सर्फेक्टेन्ट	36 ग्राम
		बेन्टाइडोन 480 एस.एल.	2.00 ली.
	ब. .बौवनी के 15 - 20 दिन बाद उपयोगी (POE)	इमेझेथापायर 10 एस.एल.	1.00 ली.
		इमेझेथापायर 70% डब्ल्यू.जी.+सर्फेक्टेन्ट	100 ग्रा.
		क्विजालोफाप इथाईल 5 ई.सी.	0.75-1.00 ली.
		क्विजालोफाप-पी-इथाईल 10 ई.सी.	375-450 मि.ली.
		फेनाक्सीफाप-पी- इथाईल 9.3 ई.सी. (9% w/v)	1.11 ली.
		क्विजालोफाप-पी-टेफ्युरिल 4.41 ई.सी.	0.75- 1.00 ली.
		फ्ल्यूआजीफॉप-पी-ब्युटाईल 13.4 ई.सी.	1.00-2.00 ली.
		हेलाक्सिफॉप आर मिथाईल 10.5 ई.सी.	1.0-1.25 ली.
		प्रोपाक्विजाफॉप 10 ई.सी.	0.50-0.75 ली.
		क्लेथोडियम 25% w/w (240 g/L) ई.सी	0.50 -0.75 ली.
	फ्लूथियासेट मिथाईल 10.3 ई.सी.	125 मि.ली.	
	स. .पूर्वमिश्रित खरपतवारनाशक	फ्लूआजिआफॉप-पी-ब्युटाईल11.1% w/w +फोमेसाफेन 11.1% w/w SL	1.00 ली.
		इमाझेथापायर 35%+इमेजामॉक्स 35% WG	100 ग्रा.
		प्रोपाक्विजाफॉप 2.5% +इमाझेथापायर 3.75% w/w ME	2.00 ली.
		सोडियम एसीफ्लोरफेन 16.5% +क्लोडिनाफाप प्रोपारगील 8% EC	1.00 ली.
		फोमेसाफेन 12 %+ क्विजालोफाप इथाईल 3% w/w SC	1.50 ली.
फोमेसाफेन 12.5% + क्विजालोफाप इथाईल 4.68% EC		1.00 ली.	

	क्विजालोफाप इथाईल 10% EC + क्लोरीम्यूरान इथाईल 25% WP + सर्फेक्टेन्ट (0.2) (Herbicide) (Twin pack)	375 मिली+36 ग्रा.+0.2%
	हेलाक्सिफॉप आर मिथाईल 12.8 % + इमाझेथापायर 10% (w/w) ME	0.825 ली.
	फोमेसाफेन 12.5% + फेनाक्सीफाप-पी- इथाईल 10%+ क्लोरीम्यूरान इथाईल 0.9% ME (125 + 100 + 9 a.i./ha)	1.00 ली.
	फ्लूथियासेट मिथाईल 2.5% + क्विजालोफाप इथाईल 10% EC	0.50 ली.
	क्विजालोफाप इथाईल 7.5% + इमाझेथापायर 15% w/w EC	0.50 ली.
	फेनाक्सीफाप-पी- इथाईल 6%+ क्लोरीम्यूरान इथाईल 0.9% + इमाझेथापायर 10% SC	1.00 ली.
